

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

अष्टम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:- 27-02-2021 (एन.सी.आर.ई.आर.टी.पर आधारित)

पाठ:- दशमः पाठनाम सूक्ति संग्रहः

८. विद्यासमं नास्ति शरीर- भूषणं ।

विद्या के समान शरीर का कोई भी आभूषण नहीं है।

९. विद्वान् सर्वत्र पूज्यते ।

विद्वान सभी जगह पूजे जाते हैं।

१०. श्रद्धावान् लभते ज्ञानम् ।

श्रद्धा वाले व्यक्ति ही ज्ञान पाते हैं।

११. ज्येष्ठो भ्राता पितुः समः।

बड़े भाई पिता के समान होते हैं।

१२. विनाशकाले विपरीतबुद्धिः।

विनाश के समय विपरीत बुद्धि होती है।

१३. धर्मकीर्तिं द्वयं स्थिरं ।

मनुष्य के यश और धर्म दो ही स्थिर हैं।

१४. विद्या सर्वस्य भूषणम् ।

विद्या सभी मनुष्यों का सर्वश्रेष्ठ आभूषण है।

१५. आचार परमो धर्मः।

चरित्र मनुष्य का सबसे बढ़कर आभूषण है।